P.A. 3 ASSINGNMENT

CLASS -5 SUBJECT – HINDI SYLLABUS – CH - 10,11

पठन विभाग

कई लोग समझते हैं की अनुशासन और स्वतंत्रता में विरोध है, किन्तु वास्तव में यह भ्रम है । अनुशासन के द्वारा स्वतंत्रता छिन नहीं जाती ,बल्कि दूसरों की स्वतंत्रता की रक्षा होती है । सड़क पर चलने के लिए हम लोग स्वतंत्र हैं, हमें बायीं तरफ से चलना चाहिए किन्तु चाहें तो हम बीच में भी चल सकते हैं। इससे हम अपने ही प्राण संकट में डालते हैं, दूसरों की स्वतंत्रता भी छींनते हैं । विद्यार्थी भारत के भावी निर्माता हैं । उन्हें अनुशासन के गुणों का अभ्यास अभी से करना चाहिए, जिससे वे भारत के सच्चे सपूत कहला सकें ।

उपर्युक्त अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

प्रश्न (अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
प्रश्न (ब) दूसरों की स्वतंत्रता की रक्षा किससे होती है ?
प्रश्न (स) भारत के सच्चे सपूत बनने के लिए विद्यार्थियों को कौन से गुणों का अभ्यास करना चाहिए ?
प्रश्न (द) विलोम शब्द लिखिए – स्वतंत्रता, सपूत
प्रश्न (इ) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए ।

उत्तर – प्रश्न (अ) का उत्तर – अनुशासन और स्वतंत्रता
प्रश्न (ब) का उत्तर – दूसरों की स्वतंत्रता की रक्षा अनुशासन से होती है ?
प्रश्न (स) का उत्तर – भारत के सच्चे सपूत बनने के लिए विद्यार्थियों को अनुशासन के गुणों का अभ्यास करना चाहिए ।
प्रश्न (द) का उत्तर – शब्द विलोम शब्द
- स्वतंत्रता ×परतंत्रता
- सपूत × कपूत

प्रश्न (इ) का उत्तर – अनुशासन 'स्व' और 'पर' की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए आवश्यक है। इससे अपने जीवन के साथ-साथ दूसरों का जीवन सुरक्षित होता है । अनुशासन के गुणों को आत्मसात करके ही विद्यार्थी सच्चे राष्ट्र निर्माता बन सकते है

-धर्म एक व्यापक शब्द है। मजहब, मत, पंथ, या संप्रदाय सीमित रूप हैं । संसार के सभी धर्म मूल रूप से एक ही हैं। सभी मनुष्य के साथ सद्व्यवहार सिखाते हैं । ईश्वर किसी विशेष धर्म या जाति का नहीं । सभी प्राणियों में एक प्राण स्पंदन होता है। उसके रक्त का रंग भी एक ही है । सुख- दुःख का भाव बोध भी उनमें एक जैसा है । आकृति और वर्ण, वेशभूषा और रीति-रिवाज तथा नाम ये सभी ऊपरी वस्तुएँ हैं । ईश्वर ने मनुष्य या इंसान को बनाया है और इंसान ने बनाया है धर्म या मजहब को ध्यान रहे मानवता या इंसानियत से बड़ा धर्म या मजहब दूसरा कोई नहीं । वह मिलना सिखाता है, अलगाव नहीं । धर्म तो एकता का द्योतक है।

उपर्युक्त अपठित गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए —

प्रश्न (अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

प्रश्न (ब) धर्म को किसने बनाया है ?

प्रश्न (स) सबसे बड़ा धर्म क्या है ।

प्रश्न (द) विलोम शब्द लिखिए – धर्म , इंसान

प्रश्न (इ) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए ।

उत्तर

प्रश्न (अ) का उत्तर – मानवता सबसे बड़ा धर्म

प्रश्न (ब) का उत्तर – धर्म को मनुष्य ने बनाया है ।

प्रश्न (स) का उत्तर _ सबसे बड़ा धर्म मानवता है ।

प्रश्न (द) का उत्तर – शब्द विलोम शब्द

धर्म – अधर्म
इंसान – हैवान

प्रश्न (इ) का उत्तर – संसार के सभी धर्म मूल में एक हैं । मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है । धर्म जोड़ता है न कि तोड़ता है । संसार के सभी प्राणियों में एक ही प्राण का संचार है । वह बाह्य रूप से अलग दिखाई पड़ता है किन्तु वह अंदर से एक ही है। उसमें कोई भेद नहीं है ।

लेखन विभाग

नवरात्री

नवरात्रि त्यौहार प्रति वर्ष मुख्य रूप से दो बार बनाया जाता है, हिंदी महीनों के अनुसार पहला नवरात्रि चैत्र मास में मनाया जाता है तो दूसरा नवरात्रि अश्विन मास में मनाया जाता है। अंग्रेजी महीनों के अनुसार पहले नवरात्रि मार्च/ अप्रैल एवं दूसरे नवरात्रि सितम्बर/ अक्टूबर में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

नवरात्रि के 9 दिनों तक चलने वाली पूजा अर्चना के बाद दसवें दिन को दशहरा के रूप में बड़े ही जोर शोर से मनाया जाता है। नवरात्रि त्यौहार 9 दिनों तक चलता है और इसमें 9 दिनों तक माँ दुर्गा के 9 अलग-अलग स्वरूपों की की पूजा अर्चना की जाती है इसलिए इस त्यौहार का नाम नवरात्रि पड़ा। माँ दुर्गा के इन 9 स्वरूपों में किस दिन किसकी पूजा और उनके दिन के रूप में मनाया जाता है

नवरात्रि नौ दिनों के लिए निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है।

देवी माँ ने महिषासुर राक्षस का वध किया था। इस राक्षस को ब्रह्मा जी का वरदान प्राप्त था जिसकी वजह से उसने उत्पात मचाया हुआ था। महिषासुर को वरदान प्राप्त था कि उसे कोई मार नहीं सकता।

लोग उसके अत्याचारों से परेशान थे तब ब्रह्मा, विष्णु और शिव जी ने अपनी शक्ति को मिलान कर देवी दुर्गा की सृष्टि की थी। देवी दुर्गा के दस हाथ थे और सारी शक्तियां भी उन्हें दी गयी थी। देवी दुर्गा ने नौ दिनों तक इस राक्षस का मुकाबला

किया और अंत में दसवे दिन में जाकर उसका वध किया। देवी दुर्गा की इस शक्ति को नवरात्रि के इस त्यौहार में धूम धाम से मनाया जाता है।

बसंत पंचमी

हमारे देश में बसंत पंचमी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। बसंत पंचमी के दिन ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती देवी का जन्म हुआ था इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। पुरातन युग में, इस दिन राजा सामंतों के साथ हाथी पर बैठकर नगर का भ्रमण करते हुए देवालय पहुँचते थे। वहाँ धिपूर्वक कामदेव की पूजा की जाती थी और देवताओं पर अन्न की बालियाँ चढ़ाई जाती थीं।
बसंत पंचमी पर हमारी फसलें-गेहूँ, जौ, चना आदि तैयार हो जाती हैं इसलिए इसकी खुशी में हम बसंत पंचमी का त्योहार मनाते हैं। संध्या के समय बसंत का मेला लगता है जिसमें लोग परस्पर एक-दूसरे के गले से लगकर आपस में स्नेह, मेल-जोल तथा आनंद का प्रदर्शन करते हैं। कहीं-कहीं पर बसंती रंग की पतंगें उड़ाने का कार्यक्रम बड़ा ही रोचक होता है। इस पर्व पर लोग बसंती कपड़े पहनते हैं और बसंती रंग का भोजन करते हैं तथा मिठाइयाँ बाँटते हैं।

ऋतुराज बसंत का बड़ा महत्त्व है। इसकी छटा निहारकर जड़-चेतन सभी में नव-जीवन का संचार होता है। सभी में अपूर्व उत्साह और आनंद की तरंगें दौड़ने लगती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह ऋतु बड़ी ही उपयुक्त है। इस ऋतु में प्रातःकाल भ्रमण करने से मन में प्रसन्नता और देह में स्फूर्ति आती है। स्वस्थ और स्फूर्तिदायक मन में अच्छे विचार आते हैं। यही कारण है कि इस ऋतु पर सभी कवियों ने अपनी लेखनी चलाई है।
हमारे देश में छः ऋतुएँ होती हैं, जो अपने क्रम से आकर अपना पृथक-पृथक रंग दिखाती हैं। परंतु बसंत ऋतु का अपना अलग एवं विशिष्ट महत्त्व है। इसीलिए बसंत ऋतुओं का राजा कहलाता है। इसमें प्रकृति का सौन्दर्य सभी ऋतुओं से बढ़कर होता है। वन-उपवन भांति-भांति के पुष्पों से जगमगा उठते हैं। गुलमोहर, चंपा, सूरजमुखी और गुलाब के पुष्पों के सौन्दर्य से आकर्षित रंग-बिरंगी तितलियों और मधुमक्खियों के मधुरस पान की होड़-सी लगी रहती है। इनकी सुंदरता देखकर मनुष्य भी खुशी से झूम उठता है। विद्यार्थियों के लिए भी यह त्योहार बहुत आनंददायक होता है।
इस पर्व पर विद्यालयों में सरस्वती पूजा होती है और शिक्षक विद्यार्थियों को विद्या का महत्त्व बताते हैं तथा पूरे उल्लास के साथ पढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

संवाद लेखन

1 .रोगी और वैद्य

रोगी-(औषधालय में प्रवेश करते हुए) वैद्यजी, नमस्कार!

वैद्य- नमस्कार! आइए, पधारिए! कहिए, क्या हाल है ?

रोगी- पहले से बहुत अच्छा हूँ। बुखार उतर गया है, केवल खाँसी रह गयी है।

वैद्य- घबराइए नहीं। खाँसी भी दूर हो जायेगी। आज दूसरी दवा देता हूँ। आप जल्द अच्छे हो जायेंगे।

रोगी- आप ठीक कहते हैं। शरीर दुबला हो गया है। चला भी नहीं जाता और बिछावन पर पड़े-पड़े तंग आ गया हूँ।

वैद्य- चिंता की कोई बात नहीं। सुख-दुःख तो लगे ही रहते हैं। कुछ दिन और आराम कीजिए। सब ठीक हो जायेगा।

रोगी- कृपया खाने को बतायें। अब तो थोड़ी-थोड़ी भूख भी लगती है।

वैद्य- फल खूब खाइए। जरा खट्टे फलों से परहेज रखिए, इनसे खाँसी बढ़ जाती है। दूध, खिचड़ी और मूँग की दाल आप खा सकते हैं।

रोगी- बहुत अच्छा! आजकल गर्मी का मौसम है; प्यास बहुत लगती है। क्या शरबत पी सकता हूँ ?

वैद्य- शरबत के स्थान पर दूध अच्छा रहेगा। पानी भी आपको अधिक पीना चाहिए।

रोगी- अच्छा, धन्यवाद! कल फिर आऊँगा।

वैद्य- अच्छा, नमस्कार।

2 .गुरुघंटाल और मस्तीलाल के बीच संवाद

गुरुघंटाल- आओ, आओ मस्ती, कहो, क्या हाल-चाल है ?

मस्तीलाल- ठीक कहाँ है गुरु ! आजकल बड़ा ही परेशान रह रहा हूँ।

गुरुघंटाल- किस बात की परेशानी ?

मस्तीलाल- बाल-बच्चों के भविष्य की चिन्ता सता रही है।

गुरुघंटाल- क्या हुआ उन्हें ? सब कुछ ठीक-ठाक तो है न ?

मस्तीलाल- ठीक क्या खाक रहेगा गुरु ! इस बार फिर मेरे दोनों बेटे इंटर फैल हो गए।

गुरुघंटाल- मैं तो कहता हूँ, छोड़ दे दोनों को पढ़ाना-लिखाना। बना दे उन्हें नेता। राजनीति में सब चलता है।

मस्तीलाल- समझ में नहीं आता कि किस पार्टी के आला-कमान से बात करूँ।

गुरुघंटाल- इसमें समझने की क्या बात है- उगते सूरज को देख और दिशा तय कर।

मस्तीलाल- तुम ठीक कहते हो गुरु, अब भाजपा-लोजपा में भी वो बात नहीं रही। आज ही जाता हूँ दिल्ली और....

व्याकरण विभाग

प्रश्न1] निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए

1] अँगारे बरसना ---- अत्यधिक गर्मी पड़ना।

2] अंगारों पर पैर रखना ---- कठिन कार्य करना।

3] अँगारे सिर पर धरना—विपत्ति मोल लेना।

4] अँगूठा चूसना- बड़े होकर भी बच्चों की तरह ना समझी की बात करना।

5] अँगूठा दिखाना- इनकार करना।

6] अँगूठी का नगीना- अत्यधिक सम्मानित व्यक्ति अथवा वस्तु।

७] हद कर दी - सीमा से आगे बढ़ जाना ।

7] हवा में गाँठ लगाना। - बड़े बड़े दावे करना ।

8] हराम का माल - दूसरे की सम्पत्ति हड़प लेना ।

9] हल्दी लगे न फिटकरी रंग चौखा-- -बिना लागत के बढिया कमाई होना

10] आखे चुराना – अपने को छिपाना

11] आँखेखुलना ळ सचेत होना

12] आसमान सिर पर उठाना – बहुत शोर करना

13] कान कतरना – बहुत चतुर होना

14] कान भरना – चुगली करना

15] दाँत खट्टे करना – बुरी तरह हराना

16] खून का प्यासा - जानलेने पर उतारू होना

17] अक्ल पर पत्थर पडना – बुद्रिध नष्ट होना

18] नाक कटना - इज्जत चली जाना

प्रश्न -2] निम्नलिखित वाक्यों मे से क्रिया विशेषण के भेद पहचान के लिखिए

वाक्य	भेद
1] वह शीघ्र आएगा।	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
2] विहान ऊपर पढ़ रहा है।	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
3]बालिका धीरे-धीरे बोलती है।	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
4]हम सब आज ही जाएंगे।	कालवाचक क्रियाविशेषण
5]वह अधिक बोलता था।	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
6]साक्ष कल गया था।	कालवाचक क्रियाविशेषण
7]घोड़ा तेज़ दौड़ता है।	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
8]बच्चें नीचे पढ़ रहे हैं।	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
9]मैंने कम खाया।	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
10]उसने ऊपर लिखा।	स्थानवाचक क्रियाविशेषण

साहित्य विभाग

प्रश्न -1] सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१ : आरिफऔरसलीम ने अलग-अलग योजना बनाई थी। (गलत)

२ : अम्मी ने खाने से पहले दाँतो की सफाई नहीकी थी। (सही)

३ : अबबा अपने कपड़े देखकर शर्मिंदा हो गए थे। (सही)

४ : नीनीके घर मे रेडियोनही था। (गलत)

५ कोको पेट भराहुआबताकर पछता रहा था। (सही)

६ : तिनसू के आने पर मिमि ने दरवाजा खोला। (सही)

प्रश्न-2] रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१ :चावल की रोटियाँ कोको का मन पसंद भोजन था।

२ :मिमि कागज का बंडल खोलती है और पापड़ निकालती है।

३ :कोको के पेट गुडगुडाने की आवाज सबसे पहले मिमि ने सुनी थी।

४ : उ बा तुन नीला फूलदान लिए आता है।

५ :आपा सुबह-सुबह आरिफ और सलीम को जगा देती थी।

६ :भाई-जान की डाँट सुनकर आरिफ गाना गाना बंद कर देता था।

७ :आरिफ और सलीम की योजना सुनकर अम्मी ने उन्हे डाँट पिलाई।

८ :सलीम ने किताब रखकर अम्मी की **नकल** उतारी।

प्रश्न 3] निन्मलिखित प्रश्नो के अति लघु उत्तर लिखिए।

१)कोको के माता-पिता किस काम से, कहाँ गए थे?

उ-कोको के माता-पिता धान लगाने खेत में गए थे।

२)कोको ने पहली बार रोटियाँ छिपाकर कहाँ रखी थीं?

उ-कोको ने पहली बार रोटियाँ रेड़ियों के पिछे छिपा के रखी थी।

३) मिमि को पापड़ खाते हुए कैसी आवाज़ सुनाई दी?

उ-मिमि को पापड़ खाते समय हल्की सी गुड़गुडाने की आवाज़ सुनाई दी।

४)आरिफ़ और सलीम सुबह-सुबह कैसे सपने देखते थे?

उ-आरिफ़ और सलमि सुबह कव्वाली गाने या आइस्क्रीम खाने के सपने देखते थे।

५)अम्मी के अधिकार किसके द्वारा छिने गए थे?

उ-अम्मी के अधिकार आरिफ़ और सलीम द्वारा छिने गए थे।

६) दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद क्या-क्या करती थीं?

उ-दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद दवाइयाँ खाती और बादाम का हरीरा पीती थी।

प्रश्न 4] निन्मलिखित प्रश्नोके लघु उत्तर लिखिए।

१] आरिफ़-सलीम ने मिलकर अबबा के सामने क्या दरखास्त रखी?

उ–आरिफ़–सलीम ने अबबा के सामने दरखास्तरखी कि, "एक दिन के लिए बड़े बच्चे बने और बड़ो के अधिकार बच्चों को दिए जाए।

२] आरिफ़ ने अपनी योजना की शुरूआत कैसे की?

उ–आरिफ़ ने बहुत सवेरे अपनी अम्मी को झिंझोड़ कर योजना की शुरूआत की।

३] सलीम ने अबबा के हुलिये की किस प्रकार से आलोचना की?

उ–सलीम ने अबबा के हुलिये के बारे में ब्ताया कि बाल बढ़े हुए है, शेव बनाई नही है, कपड़े मेले हैं।"

४] कोको ने नीनी के आने पर दरवाज़ा देर से क्यों खोला?

उ–नीनी के आने पर कोको ने देर से दरवाजा खोला क्योंकि उसे चावल की रोटियाँ -छिपानी थी।

५] नीनी कोको के घर क्यों गया था?

उ–नीनी कोको के घर परीक्षा की खास खबर सुनने गया था।

६] कोको ने घर में चूहे के घुसने की बात किससे की और क्यों?

उ–कोको का पेट भूख से गुड़गुड़ा रहा था। उसने मिमि से झूठ कहा कि घर में चूहा आ गया है। वही ये आवाज खड़बड़–गड़गड़ कर रहा है।